**लापरवाही : मूर्तिकारों पर आर्थिक संकट**

# पीओपी मूर्तियों के कारण नहीं बिकी मिट्टी की मूर्तियां

**नव भारत न्यूज**
**पांढुरना, 14सितंबर.** प्रशासनिक उदासीनता के चलते जिले में सर्वत्र पीओपी की गणेश मूर्तियां धड़ल्ले से बेची गई. परिणामवश इसका सीधा असर मूर्तिकारों के रोजगार पर पड़ा है. लागत खर्च तक नहीं निकल पाने से सभी मूर्तिकार आर्थिक संकट में घिर चुके है. बड़ी मात्रा में बची मिट्टी की गणेश मूर्तियों का क्या करें, ऐसा सवाल उपस्थित करते हुए प्रशासन के प्रति अपना रोष प्रकट कर रहे है।

बता दे कि, गणेशोत्सव के तीन माह पूर्व से ही जिले के मूर्तिकार मिट्टी की गणेश प्रतिमा निर्माण करने में जुट जाते है. इसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ती हैं, किन्तु हर वर्ष उनकी मेहनत पर पानी फेर जाता हैं । इसका महत्व पूर्ण कारण पीओपी से मूर्तियो की बड़ी मात्रा में बिक्री होना है । प्रतिवर्ष प्रशासन गनेश स्थापना के कुछ दिनों पूर्व एक पत्रक जारी कर पीओपी की मूर्ति बेचने वालो के खिलाफ कार्यवाही करने की बात तो करती हैं ,लेकिन मुख्य बाजारों में खुलेआम पीओपी से निर्मित मूर्तियां बिकने के बाद भी इन पर कोई कार्यवाही नहीं कि जाती।

**शेष मूर्तियों का क्या करें मूर्तिकार ?**

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के मूर्तिकारों द्वारा लगभग तीन माह से अपने परिजनों की मदद से गणेश प्रतिमाए बनाई थी जिन्हें बेचने के लिए नगर के प्रमुख चौक चौराहों पर इन मूर्तियों के स्टॉल लगाए थे. पेंडाल का खर्च व स्टाल का किराया तक नहीं निकल पाया. इतना ही नहीं बड़ी मात्रा में मूर्तियां बच गई. इसका हम क्या करें ? यह समझ नही पा रहे 16 हर वर्ष पीओपी मूर्तियों की बिक्री करनेवालों के हौसले बुलंद होते जा रहे है. इन मूर्तियों की बिक्री बढ़ने से मिट्टी से बनी मूर्तियों की खरीरदारी कम हो रही है. इसका असर मूर्तिकारों के व्यवसाय पर हो रहा है. अनेक मूर्तिकारों ने अपना पारम्पारिक व्यवसाय छोड़कर दूसरा व्यवसाय अथवा निजी नौकरी करना शुरू कर दिया है।

### कर्ज चुकाने का असमंजस्य

इस वर्ष पीओपी की मूर्ति बेचनेवालों पर प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने के कारण ही बड़ी मात्रा में इस बार भी पीओपी से बनी गणेश मूर्तियों की बिक्री हुई, जबकि वहीं दूसरी ओर किसी तरह पैसों का जुगाड़ कर मेहनत से बनाई गई मिट्टी की मूर्तियां न बिकने से मूर्तिकार आर्थिक संकट से जूझ रहे है. लागत खर्च न निकलने से उधार लिया कर्ज कैसे चुकाए, यह सवाल मूर्तिकारों के सामने खड़ा हो गया है।

## सौंसर में दस दिवसीय गणेश उत्सव की धूम, घर-घर विराजे बप्पा

**नवभारत न्यूज़**
**सौंसर 14 सितंबर.** शहर में दस दिवसीय गणेश उत्सव की धूम देखने को मिल रही है। घर-घर में गणेश प्रतिमा की स्थापना के साथ सुबह-शाम आराधना का दौर शुरू हो गया है। बप्पा के आगमन को लेकर लोगों में खुशी का माहौल है।

गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज एक ही दिन आने से महिलाओं में भी विशेष उत्साह देखा गया। सुबह से ही महिलाएं व्रत और पूजा की तैयारी में व्यस्त रहीं। बाजारों में भी खरीदारी को लेकर भीड़ उमड़ी। शुभ मुहूर्त में गणेश जी की स्थापना कर गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ घरों में स्वागत किया गया। दस दिनों तक घर में भक्तिमय वातावरण बना रहता है और अलग ही ऊर्जा महसूस होती है।

नगर के भाजपा कार्यालय, पूर्व जिलामहामंत्री राहुल मोहोड,डॉक्टर एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ प्रिया मोहोड के निवास पर भी भगवान श्री गणेश विराजमान हुए इसी तरह नगर में सार्वजनिक गणेशजी भी विराजमान हुए। इसके अलावा ग्रामीण अंचल में घर घर और सार्वजनिक स्थानों पर भक्तों ने गणेशजी विराजमान हुए।दस दिनों तक भक्तिमय वातावरण में भजन पूजन कार्यक्रम होंगे।

## परंपरानुसार भक्तजनों ने घरों में की गणेश प्रतिमाओं की स्थापना

### गणेश उत्सव प्रारंभ होते ही पूरे जिले में बना भक्तिमय वातावरण

**नवभारत न्यूज,**
**पांढुरना, 14 सितंबर,** हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य माने जाने वाले भगवान श्री गणेश का दस दिवसीय गणेश महोत्सव आज सोमवार 14 सितंबर से प्रारंभ होते ही देश के अन्य क्षेत्रों की तरह ही पूरे पांढुरना जिले में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। रिद्धी-सिद्धी के दाता भगवान गणेश की प्रतिमा की सोमवार को विधि-विधान के साथ धर्म प्रेमियों ने अपने-अपने घरों में स्थापना कर परिवार के पूरे सद्स्य इनकी सेवा में लीन हो गए है।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेश उत्सव प्रारंभ होते ही धर्मप्रेमी द्वारा अपनी-अपनी परंपरा का निर्वाह करते हुए सोमवार को शुभ मुहूर्त पर भगवान गणेश की प्रतिमा का अपने-अपने घरों में पूरी विधि-विधान के साथ स्थापना की गई। यद्यपि लगभग एक पखवाड़ा पहले से ही गणेश उत्सव के आगमन को लेकर जहां एक और पुरुषों द्वारा घरों में तैयारियां प्रारंभ हो गई थी,जिसमें रंग-रंगोन के साथ ही विद्युत साज-सज्जा वहीं दूसरी भगवान गणेश को भोग में लगने वाले व्यंजनों बनाने में घर की महिलाएं जूट गई थी।

वहीं अधिकांश भक्तजनों द्वारा रविवार को तो कईयों ने सोमवार को निजी,दो,तीन,चार पहिया वाहनों से तो कई भक्तों द्वारा सिर पर रखकर इन गणेश प्रतिमा को मूर्तिकारों के यहां से अपने-अपने घर ले गए। इस दौरान भक्तों में उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रदेश के इस अंतिम तथा महाराष्ट्र सीमा से लगे इस पांढुरना जिले में गणेश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

## भाजपा कार्यालय में हुई श्री गणेश जी की स्थापना

**नवभारत न्यूज़**
**सौंसर 14 सितंबर.** आज भारतीय जनता पार्टी सौसर कार्यालय में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ श्री गणेश जी की स्थापना की गई।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री नाना भाऊ मोहोड़ , जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़, संतोष जैन , जिला महामंत्री देवेंद्र गायकवाड़ , जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विवेक गायकवाड़ , जिला मंत्री श्रीमती ऊषा भमोरे , मंडल अध्यक्ष नामदेव पाल , मंडल उपाध्यक्ष खुशाल उफ़ाट , मंडल महामंत्री आशीष चांडक , नरेंद्र कुकड़े,संजय बागड़े ,सूर्यभान चिखटे , दिनेश भकने , परसराम राने ,सौरभ अढ़ाऊ , विकाश शर्मा ,प्रकाश भायदे ,मिलंद वाडेकर , मंजीत सिंग ,निलेश खण्डइत सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## सौंसर सहित अंचल में धूमधाम से मना हरतालिका महोत्सव

### महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना की

**नवभारत न्यूज़**
**सौंसर 14 सितंबर.** सौंसर सहित पूरे अंचल में हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर माता गौरी और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की मनोकामना मांगी। सुबह से ही महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर मंदिरों और घरों में पूजा की तैयारी की। कथा सुनकर और शिव-पार्वती की आराधना कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिरों में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। हरतालिका व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह रहा। बाजारों में भी पूजा सामग्री, फल-फूल और श्रृंगार के सामान की खरीदारी के लिए रौनक रही।

## साइकिल से 4 धाम,12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा

**बैतूल।** बैतूल जिले के सोमित यादव और राधेश्याम यादव साइकिल से 4 धाम एवं 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले हैं। 3 अगस्त को बैतूल से शुरू हुई यात्रा के 42 दिन पूरे हो चुके हैं और दोनों अब तक 3000 किमी से अधिक दूरी तय कर चुके हैं। यात्रा के दौरान वे द्वारिकाधीश धाम सहित ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, सोमनाथ और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा हरसिद्धि माता, गढ़कालिका माता, मां कालिका, मां अंबिका, मां चन्द्रभागा और कोटेश्वरी माता के दर्शन भी किए हैं। मध्य प्रदेश और गुजरात की यात्रा पूरी करने के बाद दोनों वर्तमान में महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर पहुंच चुके हैं। यहां दर्शन के बाद उनकी अगली मंजिल घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग है। सोमित यादव पिता मुकेश यादव ग्राम लक्कड़ज़ाम, तहसील भीमपुर और राधेश्याम यादव पिता रमेश यादव ग्राम बड़गी बुजुर्ग, तहसील बैतूल के निवासी हैं।

## 1600 वर्षों पुराने लिंगायत गणेश मठ में 975 वर्षों से परंपरा अनुसार मनाया जाता है गणेशोत्सव

**नवभारत न्यूज,**
**पांढुरना, 14 सितंबर,** नगर के गणेश वार्ड में 1600 वर्षों पुराने वीरशैव लिंगायत गणेश मठ में बीते 975 वर्षों से परंपरा अनुसार हिंदू धर्म के प्रथम पूज्य माने जाने वाले भगवान गणेश की प्रतिवर्ष विधि-विधान के साथ भगवान गणेश के प्रतिमा की स्थापना कर पूरे नौ दिनों तक भक्ति भाव तथा आस्था के साथ पूजा-अर्चना की जाती है,यहां भक्तों की आस्था देखते ही बनती है,भगवान के दर्शनार्थ जिले सहित दूर-दराज के ग्रामों तथा पड़ोसी महाराष्ट्र के भक्तों का तांता लगा रहता है।

वीरशैव लिंगायत समाज का यह 1600 वर्षों पुराना मठ जीर्णशीर्ण होने से कभी भी धराशाही होने की संभावना को देखते हुए इस जर्जर मठ को गिराते हुए इसी स्थान पर भव्य गणेश मठ का निर्माण कार्य किया जा रहा है,लेकिन इस निर्माण कार्य के चलते भक्तों की आस्था को ठेस न पहुंचे इसलिए वर्तमान में कर्नाटक के रंगापुरी शाखा के निर्देशन में श्री वीररूद्रमुनी शिवाचार्य महाराज द्वारा मठ की अपनी सदियों पुरानी परंपरा का निर्वाह कर निर्माणधीन मठ के बाजू में ही गणेश उत्सव के दौरान पंडाल लगाकर प्रतिमा स्थापीत करते हुए गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नत जरूर पूरी होती है,जिससे यहां लोगों की आस्था बनी हुई है,गणेश उत्सव के दौरान जिले के दूर-दूर ग्रामीणों के साथ ही पडोसी बैतूल,छिंदवाड़ा जिले सहित सीमावर्ती महाराष्ट्र से भी यहां भक्तगण दर्शनार्थ आते है।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी इस लिंगायत मठ के बाजू में पंडाल में भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना कि गई,इसके पूर्व इस प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई,जो नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण कर वापस मंदिर में पहुंची,शोभायात्रा के दौरान नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया,यहां प्रतिदिन भगवान गणेश को अलग-अलग नैवेद्य का भोग लगाया जाता है तथा प्रतिदिन शाम को महाप्रसाद भी वितरित करते है।

हमारे प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए श्री विरूद्रमुनी शिवाचार्य महाराज एवं वार्ड पार्षद प्रदीप कामदार द्वारा चर्चा कर गणेश मंदिर के संदर्भ में बताया।

## वेतनमान और सीपीसीटी से राहत की मांग

**बैतूल।** मैदानी लिपिकों की वर्षों पुरानी वेतन विसंगति दूर करने और अनुकंपा नियुक्ति पर पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों को सीपीसीटी की अनिवार्यता से राहत दिलाने की मांग को लेकर मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ की बैतूल जिला इकाई ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल को ज्ञापन सौंपा। संघ ने दोनों मांगों के निराकरण के लिए शासन स्तर पर प्रभावी पहल की मांग की। हेमंत खंडेलवाल ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री से चर्चा करने और अपनी ओर से अनुशंसा पत्र भेजने का आश्वासन दिया। संघ के जिलाध्यक्ष कमलेश चौहान ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39 (घ) में समान कार्य-समान वेतन का प्रावधान है, लेकिन विभागाध्यक्ष एवं अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत मैदानी लिपिकों को मंत्रालय के लिपिकों के समान वेतनमान और समयमान वेतनमान का लाभ नहीं मिल रहा है।

## ऋषि पंचमी पर मोहगांव हवेली के श्री अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भव्य आयोजन

**नवभारत न्यूज़**
**सौंसर 14 सितंबर.** ऋषि पंचमी के पावन अवसर पर श्री अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भव्य आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं नदी किनारे स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं और चावल बनाकर भगवान को भोग अर्पित करती हैं।

मान्यता है कि ऋषि पंचमी का पर्व सप्तऋषियों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। इस दिन सप्तऋषियों का पूजन करने से मन की शुद्धि होती है और परिवार में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहती है। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समिति द्वारा स्नान, पूजा, भोग और अन्य व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से की जाती हैं। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल रहता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर सप्तऋषियों का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

### 2 लाख 32 हजार रसोइयों एवं 96 हाजार महिला स्व-सहायता समूहों की लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई

# आज 15 सितंबर से पूरे मध्यप्रदेश में चूल्हा बंद हड़ताल

**नव भारत न्यूज**
**पांढुरना, 14 सितंबर,** प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्यान्ह भोजन) एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित सांझा चूल्हा योजना में कार्यरत महिला स्व-सहायता समूहों एवं रसोइया बहनों की लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ मध्यप्रदेश ने सरकार के खिलाफ निर्णायक आंदोलन का ऐलान किया है,इसके तहत आज से पांढुरना जिले में हड़ताल का असर दिखेंगा।

प्रदेश में लगभग 2 लाख 32 हजार रसोइया बहनें वर्षों से अल्प मानदेय पर बच्चों के लिए भोजन तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार आर्थिक परेशानियों, भेदभाव और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

**जून माह के 15 दिनों का मेहनताना बंद क्यों?**

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2024 से 2026 तक जून माह में किए गए 15 दिनों के कार्य का मेहनताना रसोइयों को नहीं दिया जाता, जबकि इसी अवधि में शिक्षकों को पूरा वेतन प्राप्त होता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि गरीब एवं मेहनतकश महिलाओं के साथ इस प्रकार का भेदभाव आखिर क्यों किया जा रहा है? यदि एक ही विद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के लिए अलग-अलग नियम हैं, तो वर्षों से बच्चों के लिए भोजन बनाने वाली रसोइया बहनों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों?

**एक शाला, एक परिसर में रसोइयों के साथ भेदभाव**

100 बच्चों पर केवल 2 रसोइयों से भोजन तैयार कराया जाता है।महासंघ की मांग है कि बच्चों की संख्या बढ़ने के साथ रसोइयों की संख्या भी छात्र संख्या के अनुपात में बढ़ाई जाए, ताकि उन पर अनावश्यक कार्यभार न पड़े और बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।

### *तीन-चार महीने तक लंबित रहती है लागत राशि एवं खाद्यान्न*

*महासंघ का आरोप है कि मध्यान्ह भोजन एवं सांझा चूल्हा योजना की लागत राशि एवं खाद्यान्न कई-कई महीनों तक लंबित रहता है। तीन-चार महीने तक भुगतान एवं खाद्यान्न उपलब्ध नहीं होने के कारण महिला स्व-सहायता समूहों को अपनी जेब से व्यवस्था करनी पड़ती है और वे गंभीर आर्थिक संकट में फंस जाती हैं। महासंघ की मांग है कि लागत राशि का भुगतान प्रत्येक माह समय पर किया जाए तथा छात्र संख्या के अनुसार 100 प्रतिशत राशि एवं खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।*

### *60 वर्ष की उम्र में रसोइयों को हटाना बंद हो*

*वर्षों तक योजना में सेवा देने वाली रसोइया बहनों को 60 वर्ष की उम्र में कार्य से पृथक कर दिया जाता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाली इन महिलाओं के भविष्य और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस नीति पर पुनर्विचार किया जाए तथा उन्हें सम्मानजनक सुरक्षा प्रदान की जाए।*

### *15 सितंबर से पूरे प्रदेश में चूल्हा बंद हड़ताल*

*सरकार की लचर व्यवस्था, भुगतान में लगातार देरी, खाद्यान्न की कमी, रसोइया बहनों के साथ भेदभाव और उनकी जायज मांगों की अनदेखी के कारण प्रदेश की महिला स्व-सहायता समूहों एवं रसोइया बहनों में भारी आक्रोश है। इसी के विरोध स्वरूप 15 सितंबर 2026 से पूरे मध्यप्रदेश में मध्यान्ह भोजन एवं सांझा चूल्हा कार्यक्रम के तहत चूल्हा बंद हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं, बल्कि महिला स्व-सहायता समूहों एवं रसोइया बहनों के अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए है।15 सितंबर से प्रदेशभर में चूल्हे बंद रहेंगे और आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप दिया जाएगा।*